गांधी अध्ययन संकाय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद-14

संक्षिप्त परिचय

गांधी अध्ययन संकाय के अंतर्गत वर्तमान में दो विभाग कार्यरत है : गांधीदर्शन एवं शांति शोध केन्द्र । गांधीदर्शन विभाग की स्थापना यु.जी.सी के सहायता से 1968 में हुई। इसका उद्देश्य गांधीविचार के अलग-अलग आयामो को समझने, उस पर शोध कार्य करने एवं विस्तरण की प्रवृत्तियों को बौद्धिक आधार प्रदान करना है । गांधी अध्ययन में एम.ए., एम. फिल. एवं पीएच.डी. करने की सुविधा विभाग में उपलब्ध है । शांति शोध केन्द्र की स्थापना 1971 में की गई । 1982 से शांति शोध एवं विज्ञान तथा अहिंसा में एम.फिल. एवं पीएच.डी. शुरु किया गया। शांति शोध में निशस्त्रीकरण, संरचनात्मक हिंसा, सांस्कृतिक हिंसा, विश्व शांति, विकास एंव पर्यावरण के प्रश्न पर एम.फिल. एवं पीएच.डी. शोध कार्य हुआ है ।

गांधीदर्शन एवं शांति शोध में नौकरी के पर्याप्त अवसर है । गांधीदर्शन में एम.ए., एम.फिल. एवं पीएच.डी. किये हुए छात्र गांधी संस्थाओं, स्वैच्छिक संगठन, गैर सरकारी संगठन, सामाजिक नेतृत्व एवं पारदर्शी प्रबंधन से संबंधित विविध क्षेत्रो में अपनी क्षमता एवं कुशलता के अनुसार नौकरी पा सकते हैं । शांति शोध में एम.फिल., पीएच.डी. किये हुए छात्र भी विविध स्वैच्छिक संगठनों, पर्यावरण संस्थानों, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति के प्रयास करते हुए संगठनों, मानव अधिकार संगठनों, संघर्ष निवारण से संबंधित सामाजिक एवं आर्थिक संस्थाओं, मध्यस्थता हेतु कार्य करती संस्थाओं में अपनी क्षमता के अनुसार नौकरी प्राप्त सकते है । विदित हो की यु.जी.सी. द्वारा अध्यापक बनने हेतु नेट परीक्षा में गांधीदर्शन एवं शांति शोध का विषय सामिल है ।

गांधी अध्ययन में एम.ए., एम.फिल. एवं पीएच.डी. करने हेतु गूजरात विद्यापीठ के वेबसाइट पर जाकर आवेदन करना अनिवार्य है ।

फेलोशिप : एम.ए. : गांधी अध्ययन (नियमित) अभ्यासक्रम में प्रति मास 6000/- फेलोशिप गूजरात विद्यापीठ की ओर से प्रति वर्ष 10 मेधावी छात्रों (छात्रालय में रहनेवाले) को 10 मास तक के लिए दिये जाने की व्यवस्था है ।

संपर्क : **prchod@gujaratvidyapith.org**

दूरभाष : **079-40016(318)** मोबाईल : डॉ. प्रेम आनंद मिश्र - 9429901757